भाषा संवर्द्धन पर कार्यशाला का आयोजन

खरसिया. 28 नवम्बर छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर 22 से 27 नवम्बर तक शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तार महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया. परिषद प्रभारी डॉ. रमेश टण्डन के मुख्य संयोजन, प्रो. जयराम कुर्रे तथा प्रो. दिनेश संजय के सह संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिदिन अलग-अलग विषय वस्तुओं पर विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान हुआ. कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्य के कवि व लेखकों ने पूरी विद्वता के साथ अपने विचारों को एम ए हिन्दी के छात्रों तक प्रत्यक्ष सम्प्रेषित किया. प्रथम दिवस, कविद्वय भरत नायक व निर्भय गुप्ता के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप और व्याकरण पर प्रस्तुति दी गई. विभागीय अतिथि व्याख्याता डॉ. आकांक्षा मिक्षा के मंच संचालन में कार्यशाला के द्वितीय दिवस, कवयित्री किरण शर्मा ने छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव, विकास और व्याकरण पर अपने विचार से छात्रों को अवगत कराया. प्राचार्य डॉ पीसी घृतलहरे के संरक्षण में सम्पन्न इस कार्यशाला के तृतीय दिवस प्रसिद्ध हास्य व्यंग्य व गीतकार संजय बहिदार ने आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य में गीत परम्परा विषय पर छात्रों को प्रेरक जानकारी देते हुए खूब हंसाया. आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. मनोज साहू के सह-संयोजन में कार्यशाला के चतुर्थ दिवस, कहानीकार हर प्रसाद ढेढे ने अटकन-बटकन दही चटकन जैसे छोटे-छोटे प्रसंगों एवं छ×ीसगढ़ी कथाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ी लघु कथा विषय पर व्याख्यान दिया. छत्तीसगढ़ भाषा साहित्य परिषद के छात्र पदाधिकारी गायत्री, दुर्गा, ट्विंकल, भारती, कीर्तन, कौशिल्या सहित धनुंजय, वैज्ञानिक, प्रियंका, शारदा, मुकेश, प्रिया, संदीपा, श्वेता, अंजना, नमिता आदि अनेक छात्र-छात्राओं के सहयोग से सम्पन्न इस कार्यशाला का लाभ एम ए हिन्दी के लगभग सभी छात्रों ने उठाया.